

ὄρμώμενον νερτέρας
τὸν ξένον νεκρῶν πλάκας.
σέ τοι κικλήσκω τὸν αἰὲν ἄϋπνον.

ΑΓΓΕΛΟΣ.

ἄνδρες πολῖται, ξυντομώταθ' ὑμῖν ἄν
τύχοιμι λέξας Οἰδίπουν ὀλωλότα,
ἃ δ' ἦν τὰ πραχθέντ' οὐχ ὁ μῦθος ἐν βραχεῖ
φράσαι πάρεστιν οὐδὲ τᾶλλ' ὅσ' ἦν ἐκεῖ.

1580

ΧΟ. ὀλωλε γὰρ δύστηνος; ΑΓ. ὡς λελοιπότα
κεῖνον τὸν αὐτοῦ βίοτον ἐξεπίστασο.

viam puram praebere (Oedipo), ἐκποδῶν ἐκσιῆναι, ita ut nihil ei obstat. Anglice, may leave a clear way. Cf. Aj. 672. ἐξίσταται δὲ νυκτὸς αἰανῆς κύκλος | τῇ λευκοπόλῳ φέγγος ἡμέρα φλέγειν. Pind. Ol. 6, 23. κελεύθῳ τ' ἐν καθαροῖ βάσομεν ὄκχον. Hom. Il. 8, 491. ἐν καθαροῖ (in puro spatio). Herod. 1, 202. ῥέει διὰ καθαροῦ (de flumine). Arist. Eccl. 320. ἀλλ' ἐν καθαροῖ ποῦ ποῦ τις ἄν χέσας τύχοι; Sensus quidem satis planus est, sed locutio ipsa involuta et obscura. Quum longe melius Oedipo quam Cerbero conveniant verba ἐν καθαροῖ βῆναι, corrigendum suspicari licet τόδ' (Hart.) — | κατεύχομαι, ἐν καθαροῖ βῆναι | ὄρμώμενον — τὸν ξένον κτλ. Ita omnis difficultas amovetur. Sed pro βῆναι metro postulatur ~ _ (cf. v. str. 1564). βῆναι mss. μολεῖν Herm. Requiritur enim iambus. Cf. tamen ad v. str. 1564. Qu. βῆναί σ', aut 'κσιῆναι' σ'. Scholiasta ἀβλαβῶς ὑπαντιῆσαι explicat.

1576. ὄρμωμένῳ — τῷ ξένῳ mss. Qu. ὄρμώμενον — τὸν ξένον.

1578. αἰὲν ἄϋπνον A. B. K. αἰὲν ἄϋπνον L. pr. αἰένυπνον L. corr. hoc etiam schol. Suid. Eust. Herm. Mein. αἰὲν ἔνυπνον T.

1579. ξυντομωτάτως μὲν ἄν mss. ξυντομώτατον (?) μὲν ἄν Elmsl. (coll. Fr. 245. συντομώτατον δ' εἰπεῖν, ubi tamen συντομώτερον recte C. et Eust.) Jebb. Simile exemplum superlativi desidero. Correxī ξυντομώταθ' ὑμῖν ἄν —. Qu. ξυντόμως μὲν ὑμῖν ἄν —, aut ξυντομώτατ' ἄν τόδε —. Scholiasta ξυντομώτατος legisse videtur.

1581. οὐθ' ὁ (οὐτ' ὁ M. οὐτω A. pr.) — οὐτε mss. Correxī οὐχ — οὐδέ.

1582. οὐτε mss. Qu. οὐδέ. τᾶργ' mss. Dedi τᾶλλ'.

1583. λελοιπότα] λελογχότα conj. Mudg. Mein.

1584. τὸν αἰὲν βίοτον mss. Vitiosum. τὸν ἄβιον βίοτον conj. Nauck. τὸν ἐν φάει βίοτον ἐπίστασο conj. Herw. τὸν ἄρι — conj.